

एक नजर में

नामदेव जयंती महोत्सव पर चल समारोह 1 को ब्यावरा 27 अक्टूबर, का. संत शिरोमणी नामदेवजी महाराज जयंती महोत्सव नगर में श्रद्धा, भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा. नामदेव समाज विकास परिषद के तत्वावधान में संत शिरोमणी श्री श्री 1008 नामदेवजी महाराज जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में नगर में 1 नवंबर को विशाल चल समारोह निकाला जाएगा. प्रातः 9 बजे स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला से चल समारोह प्रारंभ होगा जो प्रमुख मार्गों से होते हुए सिविल अस्पताल रोड स्थित गंगा मंदिर पहुंचेगा. संत श्री विठ्ठल जी नामदेव (दर्जी) समाज द्वारा समाज बंधुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में जयंती महोत्सव के आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया गया है.

चैनसिंह को मिली चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता

राजगढ़ 27 अक्टूबर, का. अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी नरसिंहगढ़ सुशील कुमार द्वारा नायब तहसीलदार बोडा के प्रतिवेदन पर ग्राम किशोरपुरा निवासी सीरमबाई की सर्प/उहेरा या जहरीले जंतु के काटने से मृत्यु हो जाने के कारण वैध वारिस पति चैनसिंह को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई.

शिवनारायण को मिली चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता

राजगढ़ 27 अक्टूबर, का. अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी नरसिंहगढ़ सुशील कुमार द्वारा नायब तहसीलदार बोडा के प्रतिवेदन पर ग्राम पीपल्याह रसोडा निवासी कुंदन की पानी में डूबने/नाव दुर्घटना से मृत्यु हो जाने के कारण वैध वारिस पिता शिवनारायण को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई.

खोखो प्रतियोगिता में दिखाए अपने हुनर

सारंगपुर 27 अक्टूबर, सं. नगर सारंगपुर में दिनांक 24 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक राज्य स्तरीय शालेय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री ज्योति सुनहरे नगर पालिका परिषद सारंगपुर के द्वारा उक्त आयोजन में भाग लेने वाली बालिकाओं से परिचय किया गया एवं खेलों के दृष्टिकोण विषय पर प्रेरक चर्चा की गई. जिसमें सुश्री सुनहरे द्वारा बालिकाओं से खेलों मुख्य उद्देश्य उनमें सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का विकास करना था उनके द्वारा बालिकाओं को हमारा दृष्टिकोण हमारी सफलता और असफलता को कैसे प्रभावित करता है संबंधी विषय पर विस्तृत चर्चा की व कई रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि सही दृष्टिकोण अपनाकर कठिन परिस्थितियों को भी अवसर में बदला जा सकता है. सुश्री सुनहरे के द्वारा खेल में भाग लेने वाली बालिकाओं को बताया कि सफलता की कुंजी कड़ी मेहनत और सही दृष्टिकोण में निहित है. उनके द्वारा कहा गया कि अपने आप पर यकीन रखो, चुनौतियों की पहचान कर हम सफलता को पा सकते हैं. कभी भी हार से घबराना नहीं है सहायक वातावरण बनाकर विशिष्ट चुनौतियों से मुकाबला कर अपने को आगे बढ़ाना है.

30 को ब्यावरा में कांग्रेस का महाआंदोलन

कांग्रेस के आरोप : एक ही काम के बार-बार भूमिपूजन करवा रही है भाजपा

कांग्रेस का निंदा प्रस्ताव आंदोलन 30 को

जिला इकाध्यक्ष की अगुवाई में ब्यावरा में होगा आंदोलन

प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन करने का आरोप

नवभारत न्यूज ब्यावरा 27 अक्टूबर, का. प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन करने, कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं को तारगेत करने तथा विभिन्न मुद्दों, समस्याओं एवं मांगों को लेकर आगामी 30 अक्टूबर को ब्यावरा में व्यापक स्तर पर आंदोलन, सभा के माध्यम से कांग्रेस पार्टी द्वारा सरकार एवं प्रशासन के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया जाएगा. सोमवार को स्थानीय वल्लभा परिसर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह द्वारा प्रेस वार्ता में उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश सरकार को धेरा. उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन किया जा रहा है. जनता के द्वारा निर्वाचित



एक काम के कई बार भूमिपूजन

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि भाजपा शासन में एक विकास निर्माण कार्य के कई बार भूमिपूजन किए जा रहे हैं. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल ही में ब्यावरा आर्ये मुख्यमंत्री द्वारा जिन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया उनमें से कुछ निर्माण कार्य के भूमिपूजन पूर्व में भी किए जा चुके हैं. एक ही काम का बार-बार श्रेय लिया जा रहा है.

31 को मंडियों में देंगे ज्ञापन

जिलाध्यक्ष ने बताया कि 31 अक्टूबर को भावांतर योजना तथा किसानों की समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस के तत्वावधान में स्थानीय कृषि मंडियों में मंडी प्रबंधन को आवेदन देंगे.

कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं के साथ बदले की भावना के साथ बुरा बर्ताव किया जा रहा है. जिला इकाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गत दिवस ब्यावरा में मुख्यमंत्री के आगमन पर जिन अध्यक्ष को अतिथि के रूप में आमंत्रण दिया गया किंतु जब वह कार्यक्रम में पहुंचे तो उन्हें मंच पर जाने से रोककर जनता के एक

जिम्मेदार जनप्रतिनिधि का अपमान किया गया. इसी तरह जब स्थानीय मुद्दों एवं समस्याओं को लेकर पूर्व विधायकगण कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो उनको भी बलपूर्वक रोक दिया गया. जिन अध्यक्ष चंद्र सिंह सौंधिया ने उस दिन हुए घटनाक्रम को विस्तारपूर्वक रखा.

पोर्टल बंद होने पर उठाए सवाल

जिला इकाध्यक्ष ने कहा कि भावांतर योजना में खरीदी शुरू होते ही बार-बार पोर्टल बंद होना कई सवाल खड़े कर रहा है. उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कहीं पोर्टल का बंद होना प्रदेश सरकार की नियत में तो कोई खोट नहीं. पोर्टल बंद होने से किसान परेशान हो रहे हैं. प्रेस वार्ता के दौरान जिन अध्यक्ष चंद्र सिंह सौंधिया, पूर्व विधायक पुरुषोत्तम दांगी, नया उपाध्यक्ष अतुल जगतपा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रचना भार्गव, ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र यादव, मोहन लोधी, चैनसिंह गुर्जर, लक्ष्मी दांगी, कपिल शिवहरे, ज्ञानू विजयवर्गीय सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

भाजपा की बौखलाहट

जिला इकाध्यक्ष ने कहा कि आखिर भाजपा को कांग्रेस पार्टी से इतनी घबराहट क्यों है. मुख्यमंत्री के समक्ष विपक्ष के जनप्रतिनिधियों को जाने से रोकना सत्तापक्ष की बौखलाहट का परिणाम है. भाजपा को डर था कि कहीं मुख्यमंत्री के समक्ष सच्चाई जागरूक न हो जाये. जिला इकाध्यक्ष श्री सिंह ने विगत दिवस नगर में युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत होने के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए.

622 पंचायतों के रोजगार सहायक, सचिव आज से हड़ताल पर

आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू



नवभारत न्यूज राजगढ़ 27 अक्टूबर, का. मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महोदय का आदेश का पालन नहीं कर रहा जनपद सीईओ जनपद सीईओ राजगढ़ के खिलाफ जिले के समस्त रोजगार सहायक आज से हड़ताल पर मध्य प्रदेश सरकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के द्वारा स्पष्ट आदेश दिनांक 04/09/2025 को जारी किया उक्त आदेश का जनपद पंचायत राजगढ़ सीईओ आशीष जोशी के द्वारा पालन नहीं किया जा रहा पंचायत सचिवों को वित्तीय प्रभार दिया जा रहा है. जिसको लेकर ब्लॉक राजगढ़ के समस्त रोजगार सहायक/सहायक सचिव भाई बहन की 13 अक्टूबर 2025 से निरंतर हड़ताल जारी है. जिसके समर्थन में एवं उक्त आदेश का पालन जनपद जिला स्तर पर नहीं हो रहा है व जनपद, जिला स्तर की

ओर भी मांगें हे जो ज्ञापन में अंकित हे जिसके विरोध में आज दिनांक 27 अक्टूबर से राजगढ़ जिले की 622 ग्राम पंचायत के समस्त रोजगार सहायक भाई बहन कम कलम बंद हड़ताल पर चले गए जिसके समस्त जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी व जब तक मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक हड़ताल जारी हे काम पर वापस नहीं लौटेंगे. आज के ज्ञापन कार्यक्रम में हड़ताल में शामिल पदाधिकारी जिला अध्यक्ष सागर सिंह गुर्जर ब्यावरा ब्लॉक अध्यक्ष सर्जन सिंह सौंधिया राजगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष मोहन गुर्जर जीरापुर ब्लॉक अध्यक्ष रामबाबू दागी सारंगपुर ब्लॉक अध्यक्ष कालू सिंह बना खिलचौपुर ब्लॉक अध्यक्ष पवन तंवर नरसिंहगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण उमठ आदि समस्त जिले के रोजगार सहायक भाई बहन शामिल हुए.

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी पर मामला दर्ज

जीरापुर 27 अक्टूबर, सं. पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम उभापान निवासी 22 वर्षीय युवक ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया. पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक अजय पिता तेजसिंह सौंधिया निवासी उभापान ने एक नाबालिग लड़की को अपने बाड़े में बुलाकर दुष्कर्म किया. जानकारी अनुसार लड़की की उम्र 16 साल 7 माह है. जो कक्षा आठवीं में अध्ययनरत है. पुलिस ने आरोपी अजय पिता तेज सिंह सौंधिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता वीएनएस की धारा 2023, 64(1), 87, 351(3) लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012-3, 4, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (वृंशसंता निवारण) अधिनियम 1989 (संशोधन 2015) - 3(1)(2)(द्वि), 3 (2)(1) 3(2) (1) 3(2)(1डि) में मामला दर्ज किया गया.

शराबखाना बना परेशानी, कॉलोनीवासियों ने गुर्रसा जताया

सर्विस रोड़ पर शराबखाने के सामने वाहनों का जमावड़ा, बच्चे महिलाएं हो रहे परेशान

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 27 अक्टूबर, का. गुना रोड़ पर हाईवे किनारे सर्विस रोड़ से लगे शराब खाने के कारण आसपास के रहवासी ईलाकों में रहने वाले लोग इन दिनों परेशान हो रहे हैं. शराब खाने के पास अहाते और सामने रोड़ पर वाहनों को शाम होते ही जमघट लगने लग जाता है. शराब पीने वाले वहां जमा रहते हैं, उनके वाहनों से सड़क ब्लॉक हो जाती है.

मामले को परमिसिटी आवासी कॉलोनी के सभी रहवासियों ने प्रशासन और पुलिस को अपनी शिकायत और रोष दर्ज कराया. रहवासियों में अधिकांश महिलाएं शामिल थीं. जिन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि शाम के



समय उनका बाजार और बच्चों का निकलना मुश्किल हो रहा है. शराबी बीच सड़क में वाहनों के साथ जम रहे हैं जिसके कारण वे अब शाम होते ही घरों से निकल नहीं पा रहे हैं. कॉलोनीवासियों ने शाम को कॉलोनी परिसर के भीतर ही पार्क में बैठक की और मौके पर पहुंचे तहसीलदार को अपनी

लिखित शिकायत दर्ज कराई. प्रशासन की ओर से तहसीलदार ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया. वहीं एक दिन पूर्व पुलिस टीम ने शराब खाने के सामने वाहनों के जमघट लगाने वालों को चेतावनी दी थी. उल्लेखनीय है कि इस कॉलोनी में करीब 250 से अधिक लोग रहते हैं. वहीं आसपास अन्य

कॉलोनी और रहवासी ईलाकें भी बस रहे हैं. ऐसे में यहां सर्विस रोड़ पर शराब खाने के कारण आए दिन परेशानियां हो रही हैं. यदि ऐसा रहा तो कभी भी बड़ी दुर्घटना, वारदात अथवा अन्य घटना यहां हो सकती है. ऐसे में प्रशासन और पुलिस को इस पर ध्यान देना चाहिए. मामले में जिला कलेक्टर को भी आवेदन सौंपने की बात कही है.



महिलाओं ने कहा, हम शाम को घर से निकल नहीं पा रहे हैं

कॉलोनी के रहवासियों ने शाम को कॉलोनी के मंदिर के पास पार्क में एकत्र होकर प्रशासन को अपनी बात ज्ञापन के माध्यम से रखी. कॉलोनीवासियों ने तहसीलदार और थाना प्रभारी को अपनी समस्या बताने के लिए बुलाया. मौके पर ब्यावरा तहसीलदार पहुंचे और महिलाओं ने बच्चों सहित उन्हें अपना शिकायत ज्ञापन सौंपा. महिलाओं ने बताया कि पहले वे शाम के समय सड़क पर सुरक्षित घूमने अथवा बाजार आया जाया करती थी. लेकिन शराब खाना बनने के बाद

हालात बिगड़ रहे हैं. यहां वाहनों की जमघट लगा रहता है जिसके कारण वे घर से निकलने में सौजन्य लगे हैं. हाईवे पर टुक खड़े रहते हैं साथ ही शराब खरीदने वाले कई बार हाईवे किनारे बैठकर ही शराब पीते रहते हैं. ऐसे में परिवार से जुड़े लोग खासतौर पर महिलाओं और दिन के समय स्कूली बच्चों का निकलना मुश्किल हो रहा है.

किराना दुकान में दिनदहाड़े चोरी के आरोपी धराए

माचलपुर 27 अक्टूबर, सं. थाना माचलपुर पुलिस द्वारा उत्कृष्ट कार्यवाही की गई है. बीते 13 जुलाई को फरियादी दिनेश अग्रवाल पिता स्थाननारायण अग्रवाल, उम्र 52 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 01 बजरंग रोड, माचलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी किराना दुकान के गल्ले से 15-20 हजार रुपये नकद

अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी कर लिए गए हैं. विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया एवं सथान-पास के लोगों से पूछताछ की गई. दिनांक 26 अक्टूबर को थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमति पूजा परिहार द्वारा गठित टीम ने मुखबिर सूचना के आधार पर

आरोपियों की तलाश कर दो अज्ञात चोरों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में कमलसिंह पिता कालूसिंह सौंधिया, उम्र 24 वर्ष, निवासी धन्याखेड़ी, थाना सुसनेर, जिला आगर मालवा, जितन उर्फ नाना पिता दिलीप माली, उम्र 24 वर्ष, निवासी छोटा जौन, थाना सुसनेर, जिला आगर मालवा शामिल है.

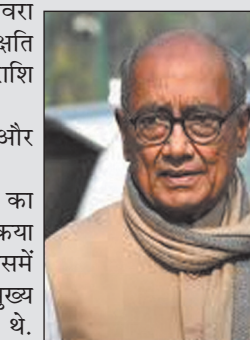
दोनों आरोपियों से चोरी गया नकद मशरूका बरामद किया गया है. कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीमति पूजा परिहार, उप निरीक्षक गड्डू कुशवाह, सहायक उप निरीक्षक समीर खान, आरक्षक रविन्द्र जाट, विष्णु जाट, पूष्प दांगी, गोविंद प्रजापत का सराहनीय योगदान रहा.

आपति पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सीएम से की दोषियों पर कार्रवाई की मांग, जताया कड़ा विरोध

जिपं अध्यक्ष से अभद्रता पर दिग्गी ने सीएम को लिखा पत्र

नवभारत न्यूज ब्यावरा 27 अक्टूबर, का. 18 अक्टूबर को ब्यावरा में आयोजित मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित जिपं अध्यक्ष को पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यक्रम में जाने से रोकने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कड़ा एतराज जताते हुए मुख्यमंत्री से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है. पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्र सिंह सौंधिया के साथ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई अभद्रता पर कड़ी आपति दर्ज

की है. उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में कहा है कि 18 अक्टूबर को नवीन दशहरा मैदान ब्यावरा में फसल क्षति राहत राशि वितरण, भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि थे.



जबरन कार्यक्रम स्थल से बाहर ले जाकर छोड़ दिया. श्री सिंह ने कहा कि यह कृत्य न केवल असंवैधानिक है बल्कि पंचायती राज व्यवस्था की आत्मा पर सीधा प्रहार है. राज्यमंत्री दर्जाधारी जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ ऐसा व्यवहार

लोकतंत्र की भावना और संविधान के 73 वें संशोधन की मंशा के विपरीत है. उन्होंने कहा कि मैंने प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पंचायती राज

आत्म सम्मान से जुड़ा मामला

पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि इस अमानवीय एवं अपमानजनक घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, दोषी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर दंडात्मक कार्यवाही की जाए तथा जिला प्रशासन को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि यह मामला केवल राजगढ़ जिले का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के तीन लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों के आत्म सम्मान से जुड़ा है.

संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए थे. वर्ष 1994 में जिला पंचायत अध्यक्ष को राज्यमंत्री का दर्जा देकर उन्हें प्रशासनिक अधिकारों से सशक्त किया गया था. परंतु वर्तमान भाजपा सरकार ने पिछले दो दशकों में पंचायत प्रतिनिधियों के

अधिकार लगातार कम किए हैं. श्री सिंह ने यह भी कहा कि जिपं अध्यक्ष जो पिछड़ा वर्ग से हैं, उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार न केवल पंचायत प्रतिनिधियों का अपमान है बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है.



आंदोलन के बाद भी नहीं सुधरे हालात

नवभारत न्यूज ब्यावरा 27 अक्टूबर, का. हाल ही में बारिश होते ही एक क्षत्र फिर स्थानीय सुठालिया बाघपास पर जगह-जगह मिनी तालाब सा नजारा दिखाई देने लगा है. आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जबकि इस समस्या के लिए पूर्व में जन आंदोलन होकर चक्काजाम तक हो चुका है. विदित है कि सुठालिया बाघपास पर नाली नहीं होने के साथ ही पानी निकासी के उचित प्रबंध नहीं हैं. जिसके कारण मुख्य मार्ग सहित रहवासी क्षेत्र में पानी जमा रहता है. हाल ही में बारिश होते हुए मुख्य सुठालिया बाघपास मार्ग पर जगह-जगह काफी मात्रा में पानी भर गया है. गंभीर समस्या की अनदेखी- सुठालिया बाघपास से हर दिन सैकड़ों की संख्या में यात्री व अन्य वाहनों की आवाजाही होती है. कई स्कूल यहां पर हैं. छोटे-छोटे बच्चे स्कूल आते-जाते हैं. बैंक व अन्य महत्वपूर्ण कार्यालय भी इस मार्ग पर हैं. कृषि मंडी, थोक सब्जी मंडी के लिए भी इसी रास्ते से होकर आना-जाना पड़ता है. मार्ग पर पानी भराने को समस्या से आमजन को कितनी परेशानी का सामना करना पड़ता है इसका अंदाजा रोकना पड़ता है. आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का जल्द निराकरण किए जाने का बल्लद निराकरण किया जा सकता है. नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर से हर दिन जिम्मेदारों का भी आना-जाना होता है परन्तु इस गंभीर समस्या की लम्बे समय से अनदेखी हो रही है. इस समस्या को लेकर पूर्व में आंदोलन भी किए गये उस दौरान समस्या का